आन्तर–केन्द्र हिन्दी तकनीकी संगोष्ठी

भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान में दिनांक 11 नवंबर, 2008 को एक दिवसीय आन्तर–केन्द्र हिन्दी तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शीर्षक **सुदूर संवेदन के उन्नत आयाम** था। संगोष्ठी में कुल 21 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। दस प्रतिभागियों को उनके उत्कृष्ट शोधपत्र के लिये पुरस्कार दिये गये। प्रथम पुरस्कार डा0 शिवप्रसाद अग्रवाल, वैज्ञानिक, जलसंसाधन प्रभाग, आई. आई.आर.एस. को उनके शोधपत्र **वर्षा जल संचयन तकनीक: सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली का उपयोग** के लिये दिया गया। द्वितीय पुरस्कार कुमारी उत्तरा पाण्डेय, शोध छात्रा, वानिकी एवं पारिस्थितिकी प्रभाग, आई.आई.आर.एस. को उनके शोधपत्र **दुधवा राष्ट्रीय उधान में सूक्ष्मतरंग सुदूर संवेदन द्वारा वनों के जैवभार का आंकलन** के लिये दिया गया। श्री सुशील कुमार श्रीवास्तव को तृतीय पुरस्कार उनके शोधपत्र **ग्रेस: अंतरिक्ष से पृथ्वी की गुरूत्वाकर्षण शक्ति नापने के लिये एक अद्वितीय मिशन** के लिये दिया गया। इसके अतिरिक्त सात और पुरस्कार श्रीमती मीनाक्षी कुमार, डा0 वी. हरिप्रसाद (अहिन्दीभाषी), डा0 देबाशीष मित्रा (अहिन्दीभाषी), डा0 दयानन्द पंत, डा0 योगेश कान्त, डा0 विजय कुमार श्रीवास्तव एवं श्रीमती हिना पाण्डे को दिये गये। संगोष्ठी का उद्घाटन श्री अनिल कुमार, उपनिदेशक एवं अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र, हैदराबाद द्वारा किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता कार्यवाहक अधिष्ठाता डा0 जितेन्द्र प्रसाद ने की। संगोष्ठी आयोजन एवं कार्यक्रम संचालन डा0 सत्यप्रकाश सिंह कुशवाहा, प्रधान, वानिकी एवं पारिस्थितिकी प्रभाग द्वारा किया गया। संगोष्ठी में राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केन्द्र एवं भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान के वैज्ञानिकों ने बढ–चढकर भाग लिया। श्रीमती मीनाक्षी सक्सैना, हिन्दी अधिकारी, एन.आर.एस.सी., हैदराबाद, श्री आशुतोष भारद्वाज, वैज्ञानिक व सदस्य, आई.आई.आर.एस. राजभाषा कार्यान्वयन समिति, श्री कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ सहायक–ब एवं सदस्य सचिव, आई. आई.आर.एस. राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं श्री बसंत कुमार पयाल, वरिष्ठ सहायक–ब, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान ने संगोष्ठी में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

– सत्यप्रकाश सिंह कुशवाहा
आयोजन सचिव